हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 20 .6 डिग्री

9 फुटबाल में रोहतक ब्लॉक का जलवा

10 शहर में बढ़े शराबी ड्राइवर पिछले 20 दिनों ...

खबर संक्षेप

पेट्रोल पंप मैनेजर पैसे लेकर गायब, केस

सांपला। खंड के गांव इस्माईला बाईपास पर एक पेट्रोल पंप मैनेजर लाखों रुपए लेकर गायब हो गया। पुलिस ने गुरुग्राम निवासी पुरी फिलिंग स्टेशन के मलिक परिक्षित के बयान पर राजस्थान निवासी पंकज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने शिकायत में कहा कि उन्होंने इस्माईला के पास पुरी फिलिंग स्टेशन के नाम से पंप लगाया हुआ है। पंकज को मैनेजर के पद पर लगाया हुआ है। शुक्रवार को उसके पास पंप की सेल के 227619 रुपए कैश रखा था। पंकज पैसों को लेकर गायब हो गया। अब उससे संपर्क नहीं हो रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

युवक अवैध शराब सहित गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान गाड़ी सवार युवक को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया। पुरानी सब्जी मंडी प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि पाडा मौहल्ला निवासी युवक अवैध शराब बेचने का काम करता है। कच्चा चमारिया रोड नजदीक पटाखा फैक्ट्री गोदाम के पास पहुंचकर नाकाबंदी शुरु की। तलाशी लेने पर गाड़ी से कुल 36 बोतल, 72 अध्धे व 500 पव्वे शराब बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

सर्टिफिकेट कोर्स में रिक्त सीटों पर आवेदन 1 तक

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग की रिक्त 2 सीटों तथा सर्टिफिकेट कोर्स इन हारमोनियम की रिक्त 30 सीटों पर एडमिशन के लिए अभ्यर्थी 1 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए काउंसलिंग 3 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन बिक्री के विरोध में बैठक आज

रोहतक। हरियाणा उद्योग व्यापारी हित मंडल की बैठक रविवार सुबह दस बजे सर्विस क्लब में आयोजित की जाएगी। इस जानकारी को साझा करते हुए मंडल के प्रदेश महामंत्री जोगेन्द्र सैनी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष अनिल भाटिया करेंगे। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी, जिनमें मुख्य रूप से लोकल व्यापार पर विदेशी ऑनलाइन बिक्री का विरोध, जीएसटी से जुड़े विषय, व्यापारियों की सुरक्षा, संगठन को और मजबूत बनाने के प्रयास, व्यापारी सम्मान एवं सुरक्षा जैसे विषय शामिल हैं। प्रदेश महामंत्री ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव और विचार साझा करें, ताकि संगठन को और मजबूत किया जा सके।

अच्छी खबर: 15.83 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है पुल का निर्माण

17 सितंबर को जनता को समर्पित होगा दिल्ली बाईपास फ्लाईओवर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे उद्घाटन

फ्लाईओवर चालू होने से रोजाना दिल्ली रोड पर आवागमन करने वाले करीब एक लाख से अधिक लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। शहर के लोगों को इस पुल का काफी समय से इंतजार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली बाईपास पर लंबे समय से निर्माणाधीन टू लेन फ्लाईओवर अब खुलने जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 17 सितंबर को इस फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। खास बात यह है कि उसी दिन विश्वकर्मा जयंती का आयोजन भी है, जिसमें शामिल होने के उपरांत मुख्यमंत्री इस महत्वपूर्ण ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। इसके चालू होने से रोजाना दिल्ली रोड पर आवागमन करने वाले एक लाख से अधिक लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लोगों को इस पुल का काफी समय से इंतजार था।

निर्माण कार्य जोरों पर

युद्ध स्तर पर कार्य जारी

फिलहाल पुल पर काम जारी है, तारकोल की सड़क का निर्माण शुरू किया जा चुका है। इससे अलग कुछ छोटे कार्य भी अपनी रफ्तार पर हैं। जल्द ही यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। दोनों तरफ की दिवारों पर भी रंग रोगन का काम शुरू करवाया जाएगा। उसके बाद ही इसे फाइनल टच दिया जाएगा।
-अरुण कुमार, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

रंग-रोगन कर अंतिम रूप दिया जा रहा

दिल्ली बाईपास पर जवाहर लाल नेहरू नहर (जेएलएन) और भालौठ सब ब्रांच के ऊपर से इस फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है। लगभग 15.83 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस प्रोजेक्ट को शहरवासियों के लिए अहम माना जा रहा है। अभी सड़क बिछाने का कार्य अंतिम चरण में है, जो अगले दो-तीन दिनों में पूरा हो जाएगा। इसके बाद दोनों ओर दीवारों का रंग-रोगन कर अंतिम रूप से पुल को उद्घाटन के लिए तैयार किया जाएगा।

बार-बार टूटती सड़क से मिलेगी छुटकारा

दिल्ली रोड से होकर गुजरने वाले वाहन चालकों को अब तक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता था। नहर के पानी के कारण इस स्थान पर बनी सड़क बार-बार टूट जाती थी और आए दिन मरम्मत की नौबत आ जाती थी। बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। ऐसे में यहां से गुजरना आमजन के लिए बेहद कठिन हो जाता था। अब टू लेन फ्लाईओवर बनने से यह समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

अगस्त 2024 तक होना था पूरा, हुई देरी

यह परियोजना मूल रूप से अगस्त 2024 तक पूरी होनी थी। लेकिन ठेकेदार से जुड़ी कुछ निजी समस्याओं के चलते काम की गति धीमी पड़ गई और तय समय पर ब्रिज तैयार नहीं हो पाया। इसके बावजूद अब अधिकांश निर्माण कार्य समाप्त हो चुका है और केवल अंतिम सौंदर्यीकरण बाकी है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि उद्घाटन से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

स्थानीय लोगों और व्यापारियों का मानना है कि यह फ्लाईओवर रोहतक की विकास यात्रा में अहम भूमिका निभाएगा। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी, क्योंकि जेएलएन नहर और भालौठ सब ब्रांच के कारण यह हिस्सा हमेशा समस्या का केंद्र बना रहता था। अब फ्लाईओवर के बन जाने से न केवल आमजन बल्कि मालवाहक ट्रकों और उद्योग से जुड़े वाहनों को भी सहूलियत होगी।

शहर को मिलेगा नया ट्रैफिक समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फ्लाईओवर के चालू होने से दिल्ली रोड पर ट्रैफिक जाम की पुरानी समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। नहर के ऊपर बने इस पुल से वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी और दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। आने वाले समय में इसे शहर की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा।

डीएलसी सुपवा स्पोर्ट्स मीट

संदीप-दीप शिखा मिश्रित बैडमिंटन युगल में विजेता

- 16 टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन कर लोगों का दिल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीएलसी सुपवा में आयोजित पहले स्पोर्ट्स मीट का दूसरा दिन उत्साहपूर्ण प्रतियोगिताओं और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की जीवंत भागीदारी के साथ शुरू हुआ। दिन का मुख्य आकर्षण मिश्रित युगल, बैडमिंटन टूर्नामेंट रहा, जिसमें 16 टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में, संदीप दलाल और दीपशिखा की जोड़ी ने पहला पुरस्कार जीता, जबकि आनंद और अनुराधा ने दूसरा पुरस्कार जीता। व्यक्तिगत वर्ग में, खेल निदेशक नीरज मलिक विजेता रहे, जबकि नवीन ने दूसरा स्थान हासिल किया।

रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मालिक ने कहा कि एथलेटिक्स, रचनात्मकता और सामुदायिक भावना के मिश्रण के साथ खेल प्रतियोगिता ने एक वार्षिक परंपरा की नींव रखी है, जो प्रत्येक संस्करण के साथ और अधिक मजबूत होती जाएगी। इस प्रकार विश्वविद्यालय ने अपना पहला स्पोर्ट्स मीट आयोजित किया, जिसने फिटनेस, टीम वर्क और मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा की भावना को और मजबूत किया। दो दिवसीय इस आयोजन में बैडमिंटन के अलावा रस्साकशी और वॉलीबॉल जैसे खेल शामिल थे, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता में रचनात्मक आयाम जोड़ते हुए, पोस्टर-मेकिंग और स्लोगन-लेखन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

इन्होंने भी जीता पुरस्कार

पोस्टर-मेकिंग में, प्रांशुता (दृश्य कला, द्वितीय वर्ष) ने प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि यश चोपड़ा (दृश्य कला, द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। स्लोगन-लेखन में, रवि (दृश्य कला - चित्रकला, द्वितीय वर्ष) ने प्रथम पुरस्कार और नवीन (डिजाइन, प्रथम वर्ष) ने द्वितीय पुरस्कार जीता।

रोहतक। एंटी स्मॉग गन वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते महापौर रामअवतार वाल्मीकि व पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर।

नगर निगम को मिला आधुनिक स्प्रिंकलर और एंटी स्मॉग गन वाहन

- महापौर ने हरी झंडी दिखाकर शहरवासियों को समर्पित किया
- 42 लाख की लागत से खरीदी गई मशीन

रोहतक। शहर में प्रदूषण कम करने और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने एक और बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को नगर निगम द्वारा खरीदे गए विशेष ट्रक माउंटिड स्प्रिंकलर एंटी स्मॉग गन वाहन को महापौर रामअवतार वाल्मीकि ने हरी झंडी दिखाकर शहरवासियों को समर्पित किया। इस मौके पर पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, पूर्व महापौर मनमोहन गोयल, वार्ड सदस्य सुरेश चन्द्र, नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस मशीन की खरीद पर लगभग 42 लाख रुपये की लागत आई है। मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने बताया कि इस वाहन की क्षमता एक बार में लगभग 10,000 लीटर पानी की है। इसमें लगे स्प्रिंकलर सड़कों और पौधों पर छिड़काव कर धूल-मिट्टी को कम करेंगे।

वाणिज्य और अर्थशास्त्र विभाग में शोध को बढ़ावा देने पर मंथन

- डीन ने शोध-संबंधी सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी साझा की

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा वाणिज्य और अर्थशास्त्र विभाग के साथ एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया, जिसमें दोनों विभागों में शोध को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। डीन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. हरीश दूरेजा ने शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ाने में शोध परियोजनाओं और शोध पत्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विस्तार से बताया कि शिक्षक शोध परियोजनाओं को कैसे अपना सकते हैं, उन पर काम करने की प्रक्रिया क्या है और विभिन्न विषयों में सहयोग की क्या संभावनाएं हैं। पत्रिकाओं, विशेष रूप से स्कोपस-इंडेक्स्ड पत्रिकाओं में प्रकाशन के महत्व पर भी जोर दिया। डीन ने शोध-संबंधी सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी साझा की।

मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने सफाई को लेकर विशेष बैठक ली

सफाई का टेंडर जल्द होगा, कूड़ा उठाने का काम भी दोबारा से शुरू किया जाएगा

वार्ड सदस्य, मार्केट, रेहड़ी व फड़ी, होटल-रेस्टोरेंट, बैक्वेट आरडब्ल्यूए ने दिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी है। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 को सफल बनाने के लिए जिला विकास भवन बैठक हॉल में विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें वार्ड सदस्य, मार्केट, रेहड़ी व फड़ी, होटल-रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं, एनजीओ, आरडब्ल्यूए, शिक्षण संस्थानों, डेयरी व औद्योगिक संगठनों से सुझाव लिए गए।

जिला विकास भवन में बैठक लेते मेयर

रोहतक को स्वच्छता में बनाना है नंबर वन

रोहतक को स्वच्छता में देश का नंबर वन शहर बनाने के लिए नगर निगम ने पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। ग्रोवर ने कहा कि अधिकारियों, पार्षदों, व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी वालों, छात्र-छात्राओं और आमजन की लगातार बैठकों के जरिए अभियान को गति दी जा रही है।

जनभागीदारी से रोहतक बनेगा स्वच्छ और सुंदर शहर: मेयर

मेयर ने कहा कि सफाई का टेंडर जल्द होगा और कूड़ा उठाने का काम दोबारा शुरू किया जाएगा। लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था से शहर साफ नहीं हो सकता। हर रोहतकवासी को इसमें सहयोग देना होगा। चौक-चौराहों, दुकानों, बाजारों और कॉलोनियों में गंदगी न फैलाना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जैसे हम अपने घर को साफ रखते हैं, वैसे ही शहर को भी स्वच्छ रखना होगा। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि स्वच्छता को आंदोलन की तरह अपनाना होगा। हर नागरिक को यह समझना होगा कि उसका व्यक्तिगत योगदान कितना महत्वपूर्ण है।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियो में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज़्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा
इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

श्रद्धालुओं ने श्रीजी का किया जलाभिषेक

रोहतक। मन वचन काय की सरल प्रवृति का नाम ही आर्जव है। मायाचारी करने वाला नियम से तिर्यंचगति में जाता है, इसलिए मायाचारी छोड़ मन में सरलता धारण करो आपकी सरलता ही आपको सीधे मोक्ष ले जाएगी। ग्रीन रोड में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म का दिन श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना कर व अभिषेक कर मनाया।

पुलिस के 8 अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त

रोहतक। पुलिस में कार्यरत 8 अधिकारी शनिवार को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए है। पुलिस कार्यालय में स्थित सभागार में आयोजित विदाई समारोह में एएसपी प्रतीक अग्रवाल ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के उज्जवल भविष्य व स्वास्थ्य की कामना करते हुए सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया है। निरीक्षक जगपाल, हॉनरेरी निरीक्षक सतपाल सिंह, हॉनरेरी निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह, हॉनरेरी निरीक्षक बलजीत, हॉनरेरी निरीक्षक जोगिन्द्र, एसआई वजीर सिंह, मुख्य सिपाही मनोज, मुख्य सिपाही सत्य नारयण सेवानिवृत्त हुए है।

सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी विदाई दी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से छह कर्मी सेवानिवृत हो गए। कुलपति कार्यालय में आयोजित सेवानिवृति समारोह में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह समेत विवि अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों- एक्सईएन सतीश मित्तल, सीडीओई कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ. विनय मलिक, उप अधीक्षक सुमेर अहलावत, ड्राफ्टमैन बिमल, सहायक राजपाल तथा हेड स्वीपर फूलपत के सेवाकाल की सराहना की।

डिजिटल और ऑनलाइन गेमिंग आज के युवाओं में अधिक लोकप्रियः कुलपति

- स्पोर्ट्स के अंतर्गत फ्री फायर मैक्स कम्युनिटी शोडाउन और ई-शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार को ई-स्पोर्ट्स के अंतर्गत फ्री फायर मैक्स कम्युनिटी शोडाउन और ई-शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें उत्तरी क्षेत्र से कुल 12 टीमें और 60 प्रतिभागियों ने फ्री फायर मैक्स में हिस्सा लिया, जबकि ई-शतरंज में 4 प्रतिभागी अंतिम मुकाबले तक पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि डिजिटल और ऑनलाइन गेमिंग आज के युवाओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि ई-स्पोर्ट्स न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह तकनीकी कौशल, रणनीति और टीम वर्क को विकसित करने का एक आधुनिक मंच भी प्रदान करता है। एनएसएस समन्वयक एवं खेल सचिव डॉ. मनजीत कुमार ने प्रतियोगिता की रूपरेखा और नियमों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना, अनुशासन और डिजिटल खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रीत सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन दीपांशु सैनी, तुषार वर्मा तथा विश्वविद्यालय ई-स्पोर्ट्स निदेशक अभिषेक ने किया। साथ ही पीआर टीम और उत्पादन टीम ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। प्रतियोगिता के परिणामों में फ्री फायर मैक्स में प्रथम स्थान प्रॉडिजी ईएसपी, द्वितीय एसवाईएन ई-स्पोर्ट्स तथा तृतीय स्थान पर 4 विंग्स रहे। ई-शतरंज प्रतियोगिता के परिणामों में प्रथम दीपक, द्वितीय हार्दिक तथा तृतीय स्थान हर्ष विजय रहे। इस अवसर पर फ्री फायर मैक्स के विजेताओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) डा. सुधीर मलिक ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान डीन डा. बी. एम. यादव, प्राचार्य डा. राम लखन, उप डीन डा. सोनिया सरोहा, कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रीति लठवाल सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। एनएसएस स्वयंसेवक सृष्टि मलिक, कुणाल डबास, हिमांशी, तमन्ना, श्रवण, रितेश, रिद्धि, हिमांशु, संगीता, प्रियंका, हर्ष सैनी, शुभम आदि रहे।

ऐसे आयोजन प्रतिभा को निखारते

प्रो. (डा.) विनोद कुमार ने कहा कि डिजिटल खेल न केवल मानसिक कौशल को बढ़ाते हैं, बल्कि निर्णय क्षमता, त्वरित सोच और नेतृत्व गुणों को भी निखारते हैं। रजिस्ट्रार ने कहा, /"इस प्रकार के आयोजन छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल प्रदान करते हैं, जहां वे अपनी क्षमताओं का परीक्षण कर सकते हैं। साथ ही, यह अनुभव उन्हें भविष्य में करियर और प्रोफेशनल लाइफ में भी मदद करेगा। विश्वविद्यालय इस दिशा में लगातार प्रयासरत है ताकि छात्रों को नवीनतम तकनीकी और डिजिटल खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर मिलें।

खेलों में भी करियर

कुलपति ने कहा कि आज का युवा केवल खेल का आनंद ही नहीं ले रहा, बल्कि इसे एक करियर विकल्प के रूप में भी देख रहा है। ई-स्पोर्ट्स में देश और विदेश में अपार अवसर उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय इस दिशा में अपने छात्रों को पूरी तरह से प्रोत्साहित और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।

राजीव गांधी खेल परिसर में खिलाड़ियों ने फुटबॉल प्रतियोगिता में दिखाया दम

फुटबॉल में रोहतक ब्लॉक का जलवा अंडर-14 व 17 वर्ग में शानदार जीत

कई वर्षों से फुटबॉल खेल में रोहतक की टीम हर वर्ग में किसी न किसी स्तर पर प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त करती रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। खिलाड़ियों का परिचय करवाते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेशभर में विभिन्न जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया जा रहा है।

शिक्षा निदेशालय पंचकूला के आदेशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह तथा डीपीसी विजेंद्र हुड्डा, जिला सहायक शिक्षा अधिकारी संजय मलिक के निर्देशन एवं देखरेख में प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जा रहा है। शनिवार को राजीव गांधी खेल परिसर में जिला स्तरीय लड़कों की फुटबॉल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। जिला सहायक शिक्षा अधिकारी (खेल) संजय मलिक ने बताया कि पिछले कई वर्षों से फुटबॉल खेल में रोहतक जिले की टीम हर वर्ग में किसी न किसी स्तर पर प्रथम या द्वितीय स्थान प्राप्त करती रही है और प्रत्येक वर्ष खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर भी होता है, इस बार भी उम्मीद है कि रोहतक जिले की टीम आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। आयोजन में फुटबॉल खेल प्रभारी मनोज कादियान, जितेन्द्र डीपीई, नितिन, सुरेश सहित अन्य सभी अधिकारी, टीम इंचार्ज व प्रतियोगिता से जुड़े आधिकारिक विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी भी उत्साहपूर्वक मौजूद रहे। मीडिया कन्वीनर डॉक्टर जनक राज ने बताया कि इसी क्रम में एमएस सरस्वती स्कूल के क्रिकेट मैदान में जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

फुटबॉल प्रतियोगिता के मुकाबले

अंडर-14 व 17 वर्ग के फाइनल मुकाबले में रोहतक ब्लॉक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 के स्कोर से महम ब्लॉक को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महम ब्लॉक को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा, अंडर-19 वर्ग के फाइनल में महम ब्लॉक और रोहतक ब्लॉक के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें महम ब्लॉक ने कड़े संघर्ष में रोहतक को 1-0 से हराकर प्रथम स्थान हासिल किया और रोहतक ब्लॉक द्वितीय स्थान पर रहा। इन सभी फाइनल मुकाबलों में से प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए रोहतक जिले की टीम का गठन किया जाएगा जो आगामी राज्य

न्यूज डायरी

शाइनिंग स्टार्स स्कूल में हुई अंग्रेजी वाचन प्रतियोगिता

रोहतक। शाइनिंग स्टार्स स्कूल में शनिवार को प्री प्राइमरी कक्षाओं का अंग्रेजी वाचन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी भाषा दक्षता, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्री प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों ने भाग लिया और देशभक्ति, प्रकृति, नैतिकता तथा कल्पनाशक्ति जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित कविताओं का वाचन किया। छात्रों ने भाव-भंगिमा, स्पष्ट उच्चारण और सही स्वर ताल के साथ प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम देखकर अध्यापकों ने बच्चों की प्रशंसा की और विद्यालय की शिक्षण पद्धति की सराहना की।

तंबाकू का सेवन न करने का दिया संदेश

महम। शनिवार को आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में एनएसएस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य तंबाकू मुक्त भारत रहा। इस दौरान बच्चों ने तंबाकू से होने वाली शारीरिक हानियों से संबंधित पोस्टर एवं चार्ट बनाए। बच्चों ने मानव आकृति बनाकर तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया। स्कूल की एनएसएस इंचार्ज पूनम अहलावत ने सभी बच्चों को धूम्रपान प्रयोग न करने की शपथ दिलाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक ढांगी ने तंबाकू से होने वाली हानियों पर प्रकाश डाला व समझाया कि तंबाकू केवल शारीरिक व मानसिक नुकसान ही नहीं करता अपितु तंबाकू के सेवन से आर्थिक हानि होती है।

गन्नौर। लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम द्वारा संचालित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, जिसमें बच्चों को छोड़ा गया है। फोटो : हरिभूमि

लावारिस हालत में मिले दो मासूम, बाल कल्याण समिति की देखरेख में भेजे गए

गन्नौर। गन्नौर रेलवे स्टेशन पर दो छोटे मासूम लावारिस हालत में मिले। दोनों बच्चों की उम्र लगभग 3 और 5 वर्ष बताई जा रही है। बच्चों को देखकर लगता है कि उन्हें किसी ने जानबूझकर छोड़ा है। बाल संरक्षण इकाई की प्रभारी उपासना और बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह रोहतक ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनो बच्चों को रोहतक के लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम द्वारा संचालित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में सुरक्षित पहुंचाया गया। बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जिसमें दोनों स्वस्थ पाए गए। आश्रम के सचिव युवराज सिंह ने प्रबंधक संदीप सिंह को विशेष निर्देश दिए कि दोनों बच्चों की देखभाल में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

विकल्प पब्लिक हाई स्कूल में तीन दिवसीय खेल उत्सव का आयोजन

रोहतक। विकल्प पब्लिक हाई स्कूल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने के लिए तीन दिवसीय खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में खेल भावना, टीम वर्क और शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना था। इस उत्सव के अंतर्गत कई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें अंतर-घर खेल प्रतियोगिताएं, खेल प्रदर्शन और प्रेरक कार्यशालाएं थी। कार्यक्रम के दौरान मंजु ने मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उनके खेल क्षेत्र में अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में हुई विभिन्न ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट विद्यालय में अंग्रेजी कविता वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नर्सरी, केजी व यूकेजी कक्षा केछात्रों ने शिरकत की। स्मार्ट किड्स ने अंग्रेजी कविताओं में विशेष रुचि दिखाई तथा बड़ी उत्सुकता और आनंद के साथ कविताएं सुनाई। डॉ. ममता मलिक ने जीतने वाले प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना की तथा अपने शब्दों के द्वारा उनका मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र भी दिए। इस अवसर पर विद्यालय उप प्रधानाचार्या मशेंका, सीमा ढुआ, साक्षी, कनिका चावला मौजूद रहे।

स्किपिंग प्रतियोगिता में हरियाणा ऑल ओवर चैंपियन

- प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर में होने वाली आईआरएसएफ नेशनल रोप स्किपिंग प्रतियोगिता के लिए होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा स्टेट रोप स्किपिंग प्रतियोगिता का आयोजन रोहतक के सैनिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिंहपुरा में हुआ। संघ के महासचिव अधिवक्ता सुनील कुमार ने बताया कि यह प्रतियोगिता एमेच्योर रॉप स्किपिंग संघ हरियाणा के बैनर तले खेली गई इस प्रतियोगिता में 16 जिलों के 534 लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर में होने वाली आईआरएसएफ नेशनल रोप स्किपिंग प्रतियोगिता के लिए होगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ गौ सेवक विजेंद्र ब्रह्मचारी ने किया व बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस प्रतियोगिता में पानीपत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, झज्जर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, रोहतक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सैनिक स्कूल प्रिंसिपल रेखा दलाल व प्रसिद्ध समाज सेवक काला गांधरा ने बच्चों को मेडल पहना कर पुष्कृत किया।

समाज हित में कार्य करना क्लब का उद्देश्य : डॉ मारकंडेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोटरी क्लब सेंट्रल के सदस्यों ने एक अनूठी पहल करते हुए यह प्रण लिया कि क्लब के सभी सदस्य अपने जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ पर रोटरी रसोई का आयोजन कर गरीब व जरूरतमंद लोगों के बीच में भोजन वितरण करेंगे। क्लब चेयरमेन डॉ मारकंडेय आहूजा ने कहा कि क्लब ने यह जो अनूठी पहल की शुरुआत की है उसका उद्देश्य समाज हित में कार्य करना है। उन्होंने कहा किसी मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका कर्तव्य है कि समाज के हित के लिए वह हर संभव प्रयास करें और क्लब की यह पहल भविष्य में निरंतर जारी रहेगी। क्लब प्रधान सुमित परुथी ने बताया कि इसके साथ क्लब प्रत्येक महीने के दूसरे शुक्रवार को आर्य धर्मार्थ हॉस्पिटल में लंगर का आयोजन करेगा और महीने में एक बार फ्री हेल्थ और आई चेकअप कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। रोटरी रसोई का आयोजन नीरू टक्कर एवं मुकेश टक्कर और निष्ठा पंवार एवं सुशील पंवार की वैवाहिक वर्षगांठ तथा सचिन बंसल, डॉ. मधुर गर्ग, डॉ. तरुण गुलाटी, इंदरजीत धींगड़ा, रूचि कादयान आदि मौजूद रहे।

एमएस सरस्वती स्कूल की हुई क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिंहपुरा स्थित क्रिकेट खेल के मैदान में चल रही जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण एवं गुरुजनों के मार्गदर्शनं और माता-पिता के समर्थन से शानदार जीत हासिल की। अंडर- 17 आयु वर्ग में हिमांशी ने 50 रन एवं अंडर-19 में नीतू ने 34 रन हासिल कर रोहतक शहर में ही नहीं अपितु पूरे जिले में विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के निदेशक हिमांक मित्तल एवं प्रधानाचार्या रितु ने छात्रों की जीत पर बधाई दी और वहीं पर उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि हमें विश्वास है वे अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर जिला स्तर पर ही नहीं राज्य स्तर पर भी अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

विशेषज्ञों ने प्रौद्योगिकी, डिजिटल पेडागॉजी, 21वीं सदी के कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व पर रखे विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

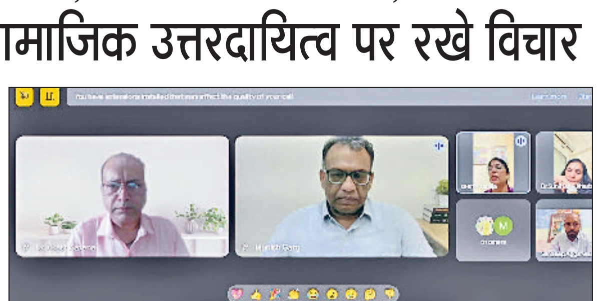

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्रभावी अध्यापन-अधिगम के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग" विषयक सात दिवसीय राष्ट्रीय अप-स्किलिंग कार्यक्रम के पांचवें दिन प्रतिभागियों को विविध और गहन दृष्टिकोणों से समृद्ध किया गया। दिनभर चले चारों सत्रों में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने प्रौद्योगिकी, डिजिटल पेडागॉजी, 21वीं सदी के कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व पर सारगर्भित विमर्श प्रस्तुत किया। प्रारंभिक सत्र में डॉ. आकाश सक्सेना ने शिक्षण-अधिगम में उभरती डिजिटल प्रवृत्तियों और नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा का भविष्य अब केवल कंटेंट डिलीवरी तक सीमित नहीं बल्कि एक्सपीरियंशल लर्निंग और स्किल एंपावरमेंट पर आधारित है।

वर्चुअल क्लासरूम्स की उपयोगिता पर विचार साझा किए

प्रो. जेस्सी अब्राहम ने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स और वर्चुअल क्लासरूम्स की उपयोगिता पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मूडल, गूगल क्लासरूम और कैनवास जैसे प्लेटफ़ॉर्म अब केवल सामग्री संग्रहण के साधन नहीं रहे, बल्कि शिक्षण–अधिगम की रीढ़ बन चुके हैं। डॉ. उर्वशी साहनी ने डिजिटल पेडागॉजी और सामाजिक परिवर्तन पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी केवल शिक्षण का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशन का उपकरण है।

कीर्ति सेठिया बैगानी को "भारत सम्मान 2025", पुस्तक "इनटू दा लाइट" का हुआ विमोचन

रोहतक। प्रख्यात आध्यात्मिक हीलर और इंटीरियर आर्किटेक्ट कीर्ति सेठिया बैगानी को उनके अद्वितीय योगदान-हीलिंग, भावनात्मक संतुलन और मानव कल्याण के क्षेत्र के लिए ग्लोबल एक्सीलेंस फोरम द्वारा दिल्ली में भारत सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। इस समारोह में केवल पुरस्कार वितरण ही नहीं हुआ, बल्कि आध्यात्मिक जागरूकता और समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में प्रेरणा का भी अद्वितीय अवसर प्रस्तुत हुआ। इस अवसर पर कीर्ति सेठिया बैगानी की नई पुस्तक "इनटू दा लाइटः आध्यात्मिक उपचार और व्यक्तिगत परिवर्तन के लिए मार्गदर्शिका" का विमोचन गरिमामयी उपस्थिति में विशिष्ट अतिथियों ने सामूहिक रूप से किया। यह पुस्तक आत्मा की गहराईयों में पहले से विद्यमान शक्ति को पहचानने और जागृत करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, ताकि हर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके। समारोह के अवसर पर न्याटो डुकाम, सांसद डॉ. रवीन्द्र नारायण बेहेरा, डॉ. टेज ताकी, विधायक डॉ. अलो लिबांग, डॉ. संजीव पटजोशी, आईपीएस, गिरीश चावला, प्रो. विनी कपूर मेहरा, डॉ. राजेश्वरी कापड़ी, प्रो. एनडी माथुर आदि मौजूद रहे।

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ADMISSION OPEN
ANM 2 YEARS | GNM 3 YEARS | JBT 2 YEARS
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT | HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT | Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

Govt. Regd.
WINTRON LIBRARY
...peaceful place to win your dreams
FACILITIES
- Peaceful with strict disciplined & Motivational environment
- Situated in Sec-14 in front of MDU Gate No. 2
- Best Lighting for study
- Separate Seats for Girls
- Employment Newspaper
- Well furnished & Fully A.C.
- Free Wi-Fi Zone
- 24x7 power backup
- Parking Facility
- CCTV Surveillance
- Reserve Seats Available
- Fix Seats Available
- Seats with Computer Facility available
Address: SCO-6, Sector-14, Rohtak
Contact: 8930246662

तीन दिवसीय खेल उत्सव से जिले के खिलाड़ियों में होगा नई ऊर्जा का संचार: नरेंद्र

- रोल मॉडल बनीं राज्य सरकार की खेल नीति
- खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के लिए यूट्यूब पर लाईव किया कार्यक्रम
- खेल उत्सव के दूसरे दिन के मैचों का एडीसी ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा है कि मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित खेलों से खिलाड़ियों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अतिरिक्त उपायुक्त मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेल उत्सव के दूसरे दिन बतौर मुख्यातिथि उपस्थित खिलाडिय़ों व खेल प्रेमियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय खेल उत्सव से भावी पीढ़ी को कोई ना कोई खेल अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। रोहतक के इतिहास में यह पहला अवसर है जब जिला स्तर के खेल कार्यक्रम का यूट्यूब चैनल पर लाइव दिखाया जा रहा है।

नरेंद्र कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की खेल नीति पूरे प्रदेश में रोल मॉडल है। उन्होंने कहा कि खेलकूद शारीरिक और मानसिक रूप से हमें ताजगी देते हैं, जिससे जीवन में नई ऊर्जा आती है।

खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि तनाव कम करने, टीम भावना विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। खेल खिलाड़ियों को लक्ष्य की ओर बढ़ने का जज्बा देते हैं और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति भी प्रदान करते हैं।

रोहतक। खिलाड़ियों से परिचय करते अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार व दोनों टीमों के साथ अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, खेल विभाग के उपनिदेशक सुरजीत नरवाल व जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह। फोटो: हरिभूमि

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने खेल उत्सव के दूसरे दिन वॉलीबॉल मैदान में जाकर खेल का शुभारंभ करवाया। उन्होंने सर्विस के माध्यम से एमडीयू व राजीव गांधी खेल परिसर की टीम के बीच मैच का शुभारंभ किया। इस मैच में एमडीयू की टीम विजयी रही। नरेंद्र कुमार ने ग्राउंड पर खिलाड़ियों का परिचय भी लिया। उन्होंने कहा कि खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे मेहनत में खेल भावना से खेल को खेलें, नशे से दूर रहे और दोस्तों व परिवार जनों को खेलने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने उम्मीद जताई कि रोहतक जिला खेलों में अग्रणी रहेगा। तीन दिवसीय इस खेल उत्सव के समापन अवसर पर 31 अगस्त को प्रातः 9 बजे उपायुक्त सचिन गुप्ता राजीव गांधी खेल परिसर से नशा मुक्त हरियाणा साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इस अवसर पर खेल विभाग के उपनिदेशक सुरजीत नरवाल, जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय खेल उत्सव के दूसरे दिन आयोजित खेलों में हैण्डबाल खेल में लड़कों की 05 व लड़कियों की 05 टीमों, कबडडी खेल में लड़कों की 04 व लड़कियों की 04 टीमों तथा वालीबाल खेल में लड़कों की 04 व लड़कियों की 03 टीमों ने भाग लिया जिनके परिणाम निम्न प्रकार हैं

हैण्डबाल लड़के: मिन्नी स्टेडियम, बोहर- प्रथम तथा जसिया-द्वितीय।

हैण्डबाल लड़कियां: मिन्नी स्टेडियम, बोहर- प्रथम तथा खेड़ी महम-द्वितीय।

कबड्डी लड़के: किलोई- प्रथम, एम डी यू, रोहतक -द्वितीय तथा जिन्दराण- तृतीय।

कबड्डी लड़कियां: जिन्दराण- प्रथम, चिड़ी -द्वितीय तथा मॉडल टाउन, रोहतक- तृतीय।

वालीबाल लड़के: एम डी यू, रोहतक- प्रथम, राजीव गांधी खेल परिसर, सेक्टर-6, रोहतक-द्वितीय, सैनी स्कूल-तृतीय।

वालीबाल लड़कियां: फरमाना ए- प्रथम, फरमान बी-द्वितीय तथा राजीव गांधी खेल परिसर, सेक्टर-6, रोहतक-तृतीय।

खबर संक्षेप

गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल में हुई प्रतियोगिता

रोहतक। जिला स्तरीय विद्यालय प्रतियोगिता खेलकूद 2025 में डॉक्टर स्वरूप सिंह मॉडल संस्कृति स्कूल सांघी के विद्यार्थियों ने कुश्ती और कबड्डी में स्वर्णिम उपलब्धि हासिल करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। प्राचार्य ने समस्त स्टाफ, स्कूल प्रबंधन समिति व समस्त ग्राम वासियों की तरफ से खिलाड़ियों को विद्यालय व रोहतक ब्लॉक का नाम रोशन करने के लिए आशीर्वाद दिया। इस दौरान मुख्य रूप से शारीरिक शिक्षक की प्रवक्ता विनय भाटिया ओमपाल डीपी विकास डीपी व समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन के दूसरे दिन महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस आयोजन की शुरुआत में प्राचार्या महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय, डॉक्टर रश्मि लोहचब ने छात्राओं को मेजर ध्यानचंद के बारे में अवगत कराया।

तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस किए निलंबित

शहर में बढ़ गए शराबी ड्राइवर, पिछले 20 दिनों में 344 चालकों पर कार्रवाई

अभियान के दौरान नाकाबंदी कर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पुलिस एक तरफ जहां अभियान चलाकर मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ ट्रैफिक पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वाले पियक्कड़ वाहन चालकों के खिलाफ ड्रंक एंड ड्राइव की कार्रवाई कर रही है। इस दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस को भी निलंबित किए है। इसके बाद भी ड्रंक एंड ड्राइव के मामले थम नहीं रहे।

एएसपी वाईवीआर शशि शेखर ने बताया कि पिछले करीब 20 दिनों में अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के चालकों के चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो चालक शराब को सेवन कर गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है, तो उस चालक का मोटर वाहन अधिनियम के तहत ज्यादा से ज्यादा 10 हजार रुपये जुर्माना व ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित किया गया है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों का चालान आगामी कार्रवाई के लिए स्थानीय अदालत में भेजा जाता है। वाहन चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को उसकी संबंधित अथॉरिटी में भेजा जाता है। चालान भरने के बाद व तीन महीने पूर्ण होने के बाद वाहन चालन अपना ड्राइविंग लाइसेंस संबंधित अथॉरिटी से प्राप्त कर सकता है।

एएसपी वाईवीआर शशि शेखर ने बताया कि अभियान के तहत सभी प्रभारी थाना व यातायात प्रभारी द्वारा विशेषतौर पर नाकाबंदी कर गहनता से वाहनों की जांच की है। अभियान के दौरान नाकाबंदी कर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए है। प्रभारी यातायात पश्चिम द्वारा 59, थाना शिवाजी कॉलोनी द्वारा 35, पुरानी सब्जी मंडी 33 व थाना सांपला द्वारा 32 वाहन चालकों के चालान किए है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान के तहत पुलिस ने पिछले 20 दिनों में शराब पीकर वाहन चलाने वाले 344 वाहन चालाकों के चालान किए है। पुलिस का मकसद वाहन चालकों में यातायात नियमों का पालना करने की भावना जागृत करना है। ताकि वाहन चालक सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। जिससे सड़क पर चलना सुरक्षित हो तथा सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आ सके।

रोहतक। अभियान चलाकर जांच करते पुलिस अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

अभियान चलाकर की कार्रवाई

ड्रंक एंड ड्राइव रोकने अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। पिछले बीस दिनों में 344 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

-वाईवीआर शशि शेखर, सहायक पुलिस अधीक्षक, रोहतक

फिर भी नहीं थम रहे ड्रंक एंड ड्राइव के मामले

शराब के नशे में धुत होकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस लगातार कार्रवाई करने के दावे कर रही है। बावजूद इसके ड्रंक एंड ड्राइव के मामले थम नहीं रहे। शहर के सभी रोड में शराब पीकर वाहन चैलाने वालों की वजह से आए दिन एक्सीडेंट की घटनाएं हो रही हैं। पिछले दिनों ऐसे ही एक मामले में शराब के नशे में धुत कार चालक ने सेक्टर-एक में सफाई कर्मचारी पर कार चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। ड्रंक एंड ड्राइव की वजह से सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

न्यू हरियाणा स्कूल के विद्यार्थी ने जन्मदिन पर लगाए फलदार पौधे

रोहतक। न्यू हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा तीसरी के विद्यार्थी मास्टर ग्रीक का जन्मदिन स्कूल के प्रांगण में एक फलदार पौधा लगाकर मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा तीसरी के सभी विद्यार्थी और अध्यापक मौजूद रहे। इस विद्यार्थी ने स्कूल में अपने जन्मदिन पर फलदार पौधा लगाकर अन्य विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि हम सभी विद्यार्थियों ने भी अपने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूल में इसी प्रकार एक पौधा दान करना चाहिए। निदेशक जेएस बूरा ने बताया कि पौधों की वजह से ही पर्यावरण शुद्ध होता है और शुद्ध पर्यावरण से ही हमारा जीवन, हमारा स्वास्थ्य शुद्ध होता है। इस विद्यार्थी ने अपनी कक्षा के सभी विद्यार्थियों को और स्कूल के सभी अध्यापकों को टॉफी बिस्किट, फ्रूटी आदि गिफ्ट दिए और इसके साथ-साथ हमारे स्कूल की अध्यापिका पूजा का भी जन्मदिन सभी अध्यापकों ने मिलकर धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक जेएस बूरा, प्राचार्य मंजू बूरा, महिमा राय, मोनिका अहलावत, कोमल आदि मौजूद रहे।

पंडित नेकीराम कॉलेज में हुई कैरम बोर्ड एवं चेस प्रतियोगिता

रोहतक। नेशनल स्पोर्ट्स डे के उपलक्ष्य में घोषित हुई दो प्रतियोगिताएं-कैरम बोर्ड एवं चेस का आयोजन पंडित नेकीराम कॉलेज में हुआ। इस दौरान प्रिंसिपल डॉ. लोकेश बल्हारा एवं शारीरिक विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. धर्मेंद्र एवं अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया। चेस की प्रतियोगिता में भारत हुड्डा, बीए प्रथम वर्ष,ज्योग्राफी ऑनर्स प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पर तुषार, बीए फाइनल एवं तृतीय स्थान पर साहिल बीए फर्स्ट, फिजिकल साइंस रहे। कैरम बोर्ड की प्रतियोगिता में साहिल एवं जतिन, बीकॉम प्रथम स्थान पर रहे। गौरव, बीए प्रथम वर्ष, दूसरे स्थान पर एवं नितेश बीए फाइनल ईयर तृतीय स्थान पर रहे। विजेता टीम के विद्यार्थियों को उचित इनाम देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मॉडल स्कूल सांपला में मनाया गणेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बेरी रोड स्थित मॉडल स्कूल सांपला में शनिवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ गणेश उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की अध्यापिका दीपिका भारद्वाज ने विद्यार्थियों को गणेश की कथा सुनाई। प्रिंसिपल नोमिता बत्रा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। सभी बच्चों में प्रसाद वितरित किया गया।

रोहतक। गणेश उत्सव के दौरान आकर्षक रूप प्रस्तुत बच्चें। फोटो: हरिभूमि

गणेश जी की पूजा-अर्चना

रोहतक। वैश्य धर्मशाला केवलगंज, बाबरा मोहल्ला में रॉयल यूथ क्लब द्वारा आयोजित महा गणपति महोत्सव में गणेश की पूजा-अर्चना करते राजेश जैन, एम डीएलपीएस बोसार्ड व अन्य क्लब के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

महम। भारतीय जनता पार्टी के महम मंडल कार्यकर्ताओं ने शनिवार को महम के भिवानी स्टैंड पर राहुल गांधी का पुतला फूंका और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर अभद्र टिप्पणी की गई है। किसी की मां पर टिप्पणी करना पूरे देश की मातृ शक्ति का अपमान है। इस बात से पूरे देश केकार्यकर्ताओं में रोष है। भाजपा नेता अजीत अहलावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है। यह देश विरोधी पार्टी है।

नितानंद स्कूल के छात्रों ने जिला स्तरीय खेलों में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

स्वामी नितानंद स्कूल के विद्यार्थियों ने एसजीएफआई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता के अंदर अंडर-14 में शिवम ने कराटे में गोल्ड तथा अरमान ने तीरांदाजी में सिल्वर मेडल हासिल किया। वहीं, योगेश ने अंडर-19 और शिवम ने अंडर 19 में जुडों में गोल्ड मेडल हासिल किया।

बॉक्सिंग में दिया ने तथा अंडर-19 कुश्ती तथा स्कूल में साक्षी ने गोल्ड मेडल जीतकर अपने माता-पिता नाम रोशन किया और राज्य स्तरीय खेलों में अपनी जगह बनाई। छात्रों की इस उपलब्धि पर स्कूल चेयरमैन सुमित मलिक सभी स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी।

आर्यन ग्लोबल स्कूल में बच्चों ने विभिन्न क्लब गतिविधियों में लिया हिस्सा

रोहतक। आर्यन ग्लोबल स्कूल में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्लब गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और सृजनात्मक कार्यों का भरपूर आनंद उठाया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने विद्यार्थियों की सक्रियता और रचनात्मकता की सराहना की तथा कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

महाविद्यालय में हुआ व्याख्यान

रोहतक। महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा के मार्गदर्शन में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें स्वाति सिंह, आईआरएस (2017 बैच), उपायुक्त आयकर, विशाखापट्टनम मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं।

रोहतक की गौरवशाली पूर्व छात्रा स्वाति सिंह ने अपनी स्नातक की शिक्षा एनआरएस कॉलेज से तथा परास्नातक की पढ़ाई एमडी विश्वविद्यालय से (एम.ए. मनोविज्ञान) पूरी की और प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय राजस्व सेवा में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और तनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए मज़बूत संवाद कौशल एवं बोलचाल का अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालने की सलाह दी, जिससे न केवल सामान्य ज्ञान बढ़ेगा बल्कि विश्लेषणात्मक सोच भी विकसित होगी। इस मौके पर डॉ. मीनू नैन, डॉ. दीपक और डॉ. मीनाक्षी भी उपस्थित रहे।

पहले दिन बेसिक इलिजारोव वर्कशॉप और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मास्टरक्लास रही आकर्षण का केंद्र

लिम्ब रिकॉन 2025 सम्मेलन का गुड़गांव में शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

लंबे समय से प्रतीक्षित लिम्ब रिकॉन 2025 सम्मेलन का आगाज शनिवार को लेमन ट्री प्रीमियर 1, सेक्टर 29 में हुआ। लिम्ब रीकंस्ट्रक्शन सोसाइटी द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम ऑर्थोपेडिक शिक्षा और इलिज़ारोव तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. राजेश रोहिला ने की, सचिव डॉ. विनीत वर्मा और कोषाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार थे। उद्घाटन सत्र में हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति व उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. राजेश रोहिला ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह सम्मेलन न केवल ज्ञान-विनिमय का मंच है, बल्कि ऑर्थोपेडिक प्रैक्टिस को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि कठोर प्रशिक्षण और साझा अनुभवों के जरिए युवा चिकित्सकों को नई दिशा मिलेगी। पहले दिन का मुख्य आकर्षण बेसिक इलिज़ारोव वर्कशॉप रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने इस तकनीक की बुनियादी समझ और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके साथ ही इटली के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. जोवानी लोविस्ट्टी और डॉ. मौरिज़ियो की मास्टरक्लास ने हड्डी की विकृतियों के इलाज में फिक्सेटर के उपयोग पर गहन जानकारी दी। डॉ. बारी (मिस्त्र) ने ऑनलाइन व्याख्यान के माध्यम से वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाएं साझा कीं। वर्कशॉप्स और केस डिस्कशन सत्रों ने प्रतिभागियों को सीधे विशेषज्ञों से सीखने और अपनी जिज्ञासाएं रखने का अवसर दिया। सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित संस्थानों के वरिष्ठ फैकल्टी मौजूद रहे। इनमें प्रो. (डॉ.) एस.के. सिंघल निदेशक पीजीआईएमएस रोहतक और एनेस्थेसिया व क्रिटिकल केयर विभागाध्यक्ष डॉ. संसर शर्मा, प्रमुख ऑर्थोपेडिक्स विभाग एसजीटी मेडिकल कॉलेज, डॉ. रूप सिंह रजिस्ट्रार व ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष पीजीआईएमएस और डॉ. सुनील चीची सीनियर ऑर्थोपेडिक सर्जन पलवल शामिल रहे।

सम्मेलन में शैक्षिक गुणवत्ता की सराहना की

प्रतिभागियों ने सम्मेलन की शैक्षिक गुणवत्ता की सराहना की। विशेषज्ञों का मानना है कि इस आयोजन ने छात्रों और पेशेवरों दोनों को नए आयाम प्रदान किए हैं। कल सम्मेलन एडवांस्ड डिफॉर्मिटी करेक्शन वर्कशॉप के साथ आगे बढ़ेगा। आयोजकों ने विश्वास जताया कि लिम्ब रिकॉन 2025 ऑर्थोपेडिक्स जगत में नए मानक स्थापित करेगा।

विशेष: शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरूरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विचारणीय

अलका सोनी

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूप: प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबाव: अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारण: किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतें: अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थिति: अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरत: शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

कविता

हरीश कुमार 'अमित'

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

कहानी / संजीव ठाकुर

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क'

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तक: असमय का अंधेरा, **लेखक:** सुरेश गुप्ता, **मूल्य:** 100 रुपए, **प्रकाशक:** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्य: लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकाव: सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राह: सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए, अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिट: यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्स: यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

डिजिटल डिजाइन शर्ट

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोन: ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंट: हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिक: आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड में: अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्स: आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत
डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

राज के किरदार में राज कपूर: सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिशतानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खान: 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चन: फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुख: 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्त: मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त